(b) The amount of compensation paid to the employees affectd by these accidents during these two years is shown below.—

1955-56	Rs. 35,382/-
1956-57	Rs. 21,625/- Provisional).

केन्द्रीय उंगली चिन्ह विभाग

८५३. **श्री श्रीनारायण दास** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय उगली चिह्न विभाग मे आधुनिक प्रणाली पर शिक्षा देने का प्रबन्ध किया गया है; और

(ख) क्या इस सम्बन्ध मे किन्ही अन्य देशों की प्रणालियो से सहायता ली गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय मे राज्य-मंत्री (श्री बातार) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

हिन्दी प्रबोध और प्रवीण परीक्षाये

८५४ **श्री रामजी वर्मा** : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि मत्रालय द्वारा चलाई हुई हिन्दी प्रबोध और हिन्दी प्रवीण की परीक्षाओ में से कौन सी परीक्षा राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा की कोविद परीक्षा के बराबर है ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियो के लिये चालू की गई हिन्दी प्रबोध तथा हिन्दी प्रवीण परीक्षाओं को किसी दूसरी परीक्षा के बराबर नही बनाया गया है ।

स्वातंत्र्य संग्राम के स्मारक

८५५. **श्री हेडा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १८५७ के स्वातंत्र्य संग्राम से सम्बद्ध स्थानों पर स्मारक भवन पार्क य स्कूल बनाने के लिये क्या निश्चय किया गया है;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में अब तक कोई योजनायें बनाई गई हैं; और

(ग) क्या ऐसे स्थानों की कोई सूची तैयार की जा रही है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री बातार) : (क) से (ग). १८५७ से १९४७ तक स्वातंत्र्य संग्राम के शहीदों की स्मृति में अखिल भारतीय स्मारक दिल्ली में बनाने के अलावा अन्य सम्बद्ध स्थानों पर स्मारक पार्क या स्कूल आदि बनाने का काम राज्य सरकारो पर छोड़ दिया गया है । योजना बनाना या स्थानों की सूची बनाना और आगे की कार्यवाही राज्य सरकारे स्वयं करेगी ।

राष्ट्रीय पंचाग

८५६. **श्री हेडा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन राज्य सरकारो ने अपने राज्यो में राष्ट्रीय पंचाग का प्रचलन किया है; और

(ख) किन-किन राज्यो ने अपने पंचाग भी प्रकाशित किये हे ?

गृह-कार्य मंत्रालय मे राज्य-मंत्री (श्री बातार) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार निम्नलिखित राज्यों ने अपने कुछ सिविल और सरकारी कार्यो के लिए ग्रिगोरियन कलेण्डर के साथ साथ राष्ट्रीय पंचाग को अपनाया है :—

आन्ध्र
बिहार
बम्बई
मद्रास
राजस्थान
उत्तर प्रदेश